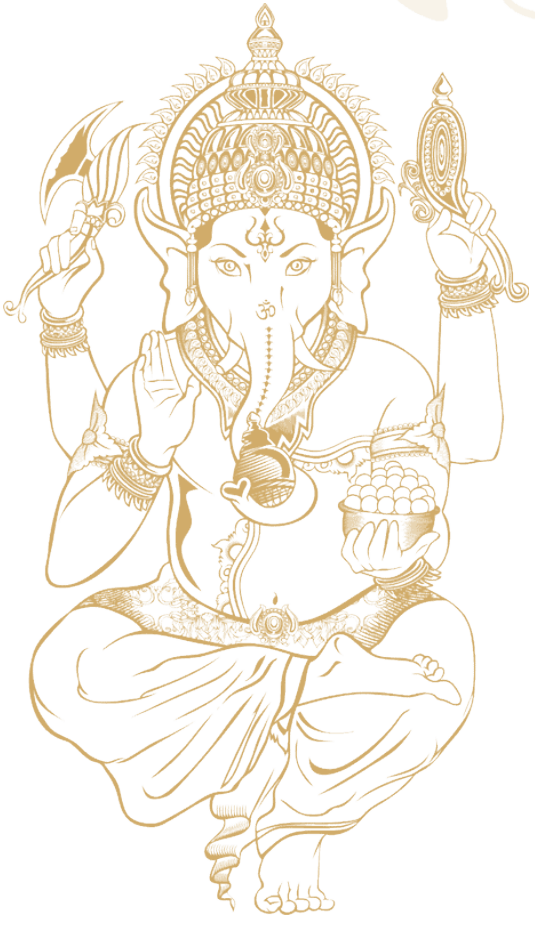

Mr.shivam

01 Oct 1993

08:30 AM

Satna

Model: web-freekundliweb

Order No: 120723703

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**01/10/1993**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**08:30:00 घंटे**
इष्ट	06:18:19 घटी
स्थान	**Satna**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	24:33:00 उत्तर
रेखांश	80:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:06:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:23:20 घंटे
वेलान्तर	00:10:16 घंटे
साम्पातिक काल	09:02:46 घंटे
सूर्योदय	05:58:40 घंटे
सूर्यास्त	17:53:45 घंटे
दिनमान	11:55:05 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	14:10:47 कन्या
लग्न के अंश	17:15:02 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	ध्रुव
करण	बालव
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दे-देवांशु
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	17:15:02	317:06:24	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
सूर्य			कन्या	14:10:47	00:58:59	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	सम राशि
चंद्र			मीन	17:50:56	11:50:55	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	सम राशि
मंगल			तुला	08:57:05	00:40:41	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	सम राशि
बुध			तुला	06:16:25	01:21:27	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	मित्र राशि
गुरु			कन्या	27:32:19	00:12:50	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	17:52:08	01:13:36	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	शत्रु राशि
शनि	व		कुंभ	00:27:54	00:02:36	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	10:42:23	00:09:57	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	10:42:23	00:09:57	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	सम राशि
हर्ष			धनु	24:27:34	00:00:11	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
नेप			धनु	24:36:09	00:00:02	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
प्लूटो			तुला	29:54:03	00:01:49	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	चंद्र	---
दशम भाव			कर्क	19:27:18	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:26

लग्न-चलित

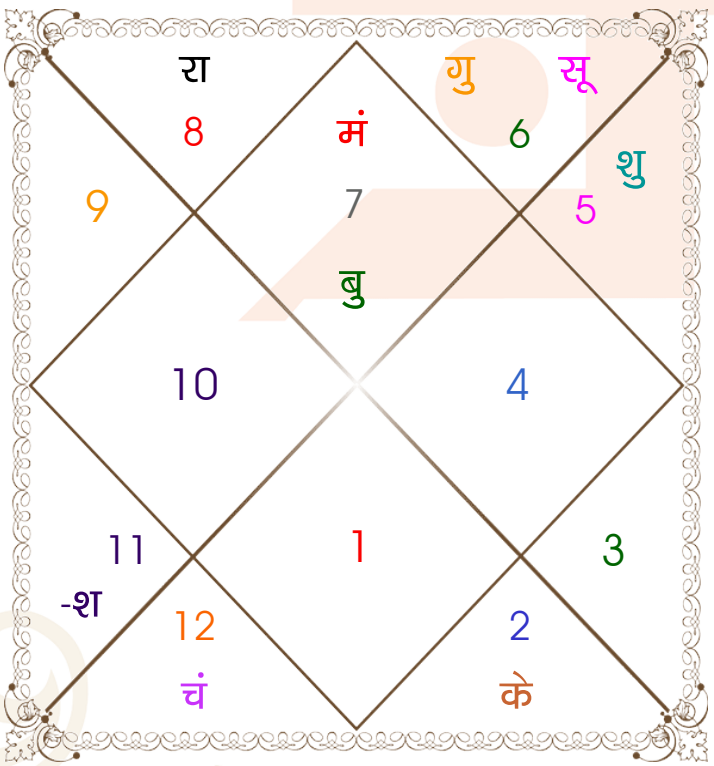

चन्द्र कुंडली

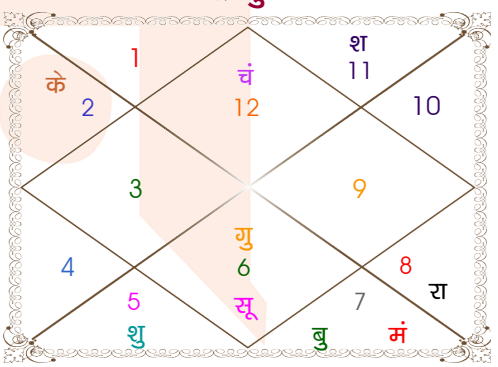

नवमांश कुंडली

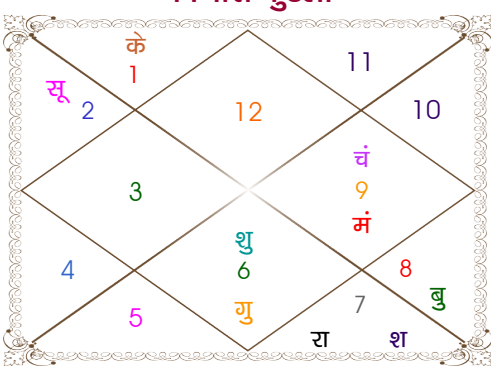

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 15 वर्ष 5 मास 27 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
01/10/1993		30/03/2009		29/03/2016		29/03/2036		30/03/2042	
30/03/2009		29/03/2016		29/03/2036		30/03/2042		29/03/2052	
बुध	26/08/1994	केतु	26/08/2009	शुक्र	30/07/2019	सूर्य	17/07/2036	चंद्र	28/01/2043
केतु	23/08/1995	शुक्र	26/10/2010	सूर्य	29/07/2020	चंद्र	15/01/2037	मंगल	29/08/2043
शुक्र	23/06/1998	सूर्य	03/03/2011	चंद्र	30/03/2022	मंगल	23/05/2037	राहु	27/02/2045
सूर्य	29/04/1999	चंद्र	02/10/2011	मंगल	30/05/2023	राहु	17/04/2038	गुरु	29/06/2046
चंद्र	28/09/2000	मंगल	28/02/2012	राहु	30/05/2026	गुरु	03/02/2039	शनि	28/01/2048
मंगल	25/09/2001	राहु	17/03/2013	गुरु	28/01/2029	शनि	16/01/2040	बुध	29/06/2049
राहु	13/04/2004	गुरु	21/02/2014	शनि	29/03/2032	बुध	22/11/2040	केतु	28/01/2050
गुरु	20/07/2006	शनि	02/04/2015	बुध	28/01/2035	केतु	30/03/2041	शुक्र	29/09/2051
शनि	30/03/2009	बुध	29/03/2016	केतु	29/03/2036	शुक्र	30/03/2042	सूर्य	29/03/2052

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
29/03/2052		30/03/2059		30/03/2077		30/03/2093		30/03/2112	
30/03/2059		30/03/2077		30/03/2093		30/03/2112		00/00/0000	
मंगल	25/08/2052	राहु	10/12/2061	गुरु	18/05/2079	शनि	01/04/2096	बुध	02/10/2113
राहु	13/09/2053	गुरु	05/05/2064	शनि	28/11/2081	बुध	10/12/2098		00/00/0000
गुरु	20/08/2054	शनि	12/03/2067	बुध	05/03/2084	केतु	19/01/2100		00/00/0000
शनि	29/09/2055	बुध	28/09/2069	केतु	09/02/2085	शुक्र	22/03/2103		00/00/0000
बुध	25/09/2056	केतु	17/10/2070	शुक्र	11/10/2087	सूर्य	03/03/2104		00/00/0000
केतु	21/02/2057	शुक्र	16/10/2073	सूर्य	29/07/2088	चंद्र	02/10/2105		00/00/0000
शुक्र	23/04/2058	सूर्य	10/09/2074	चंद्र	28/11/2089	मंगल	11/11/2106		00/00/0000
सूर्य	29/08/2058	चंद्र	11/03/2076	मंगल	04/11/2090	राहु	17/09/2109		00/00/0000
चंद्र	30/03/2059	मंगल	30/03/2077	राहु	30/03/2093	गुरु	30/03/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 15 वर्ष 5 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाले होंगे। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाले होंगे।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगे तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगे तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगे। आप अपने फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगे तो अनुकूल रहेंगे। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना के प्राणी होंगे। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगे। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगे। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान के पिता होंगे। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपकी अपनी जीवन संगिनी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पत्नी प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि की जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपकी पत्नी कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय की हुई तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगी।

परंतु यदि आपकी संगिनी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपनी पत्नी से विद्वेष नहीं करेंगे।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपकी पत्नी बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देगी। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगे। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगे।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगे। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकते हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।